



VISION IAS

www.visionias.in



GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2088)

Name of Candidate	Ankit Kumar		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	546705
Center	M.N.	Date	11/09/23

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
3(c)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

- Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
- There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI**.
इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
- All questions are compulsory.**
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
- Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
- Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
- Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

Is student recommended for One-to-One mentoring?

Recommended

Strongly Recommended

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp. Punjab & Sind Bank), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

खण्ड-A (Section-A)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए:

- 1.(a) दोहरे प्रभाव का सिद्धांत इस विचार पर आधारित है कि यदि किसी व्यक्ति का व्यवहार या आचरण किसी ऐसे लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए है जो नैतिक रूप से सही है, लेकिन उसके परिणामस्वरूप एक नैतिक दुष्प्रभाव भी पड़ता है, तब भी उस विशेष व्यवहार या आचरण को अपनाना स्वीकार्य होगा। यह सिद्धांत कठिन नैतिक स्थितियों को सुलझाने में कहां तक सहायता कर सकता है? उपयुक्त उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

The principle of double effect is based on the idea that if a person's behaviour or conduct is intended to achieve a goal which is morally good, however, as a result, there is a morally bad side-effect, then it is still acceptable to adopt that particular behaviour or conduct. How far can this principle aid in resolving difficult moral situations? Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words)

10

दोहरे प्रभाव के सिद्धांत के अनुसार
जहाँ एक पक्ष नैतिक व स्वीकार्य होता है
वहीं उसका संबंधित उपोत्पाद नैतिक
रूप से दुष्कर होता है।
यथा - स्मार्ट सिटी योजना क्रियान्वयन में
ड्रुग्गी शोपिंगों का उन्मूलन, जहाँ
प्रथमदृष्टया नैतिक व स्वीकार्य है वहीं
यह जबरन विस्थापन को भी प्रोत्साहित
करता है।
कठिन नैतिक स्थितियों को सुलझाने में
सहायता:
1. यह नैतिक इंसों में से अधिक
व्यवहार्य विकल्प को प्राथमिकता देता

है यथा - नवीकरणीय ऊर्जा हेतु परमाणु ऊर्जा स्रोतों का उपयोग।

2. यह व्यक्ति के विचलन को कम करने में सहायक है यथा - महात्मा गांधी द्वारा कांग्रेस से इस्तीफा देना।

3. यह व्यक्ति के निर्णयों को तार्किक परिणति देता है यथा - व्यक्तिगत हित की जगह सार्वजनिक हित को प्राथमिकता देना।

4. यह अधिकतम व्यक्तियों की अधिकतम युगी की फुलर की भी धारणा करता है। हालांकि यह बहुआयामी प्रभावों के रूप में गेरे सरीया उत्पन्न करके असमंजस की स्थिति भी पैदा करता है यथा - पर्यावरण बनाम विकास की स्थिति।

“यदि यह सिद्धांत अंतर्हिमा तथा संवैधानिक नैतिकता से युक्त हो तो अधिक स्पष्ट नैतिक मार्गदर्शन प्रदान हो सकेगा।”

- 1.(b) भारतीय गणराज्य ने सारनाथ स्थित सम्राट अशोक के सिंह शीर्ष को अपने राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में चुना, ताकि वैसी ही सद्भावना को प्रतिबिंबित किया जा सके जैसी सम्राट अशोक द्वारा हासिल की गई थी और आधुनिक भारतीय राष्ट्र के लोगों के लिए उनके द्वारा लागू की गई मानवीय नीतियों की निरंतरता बनी रहे। इस पृष्ठभूमि में, उन नैतिक शिक्षाओं पर चर्चा कीजिए जो सम्राट अशोक के जीवन में प्रतिलिखित होती हैं।

The Indian Republic chose Ashoka's Lion Capital at Sarnath as its state emblem to reflect the same harmony achieved by him and effect a continuity with his humane policies towards the people of the modern Indian nation. In this background, discuss the ethical teachings that find resonance in Ashoka's life. (Answer in 150 words)

10

सम्राट अशोक मौर्यवंश के
शक्तिशाली व नैतिक शासक थे जिन्होंने
शिक्षाएँ तथा नीतियाँ आज भी लोक
सेवकों को मार्गदर्शित करती हैं।

धम्म पर बल

अशोक ने युद्ध को त्यागकर
मानवीय मूल्यों तथा संस्कृति के आधार
पर राष्ट्रों के मध्य संबंध निर्माण
को प्रोत्साहित किया। वर्तमान में भारत
द्वारा सॉफ्ट पावर का प्रयोग

अहिंसा तथा सहिष्णुता

करते हुए युद्ध के पश्चात अशोक
ने मौर्यक्षेत्रों में अहिंसा पर रोक लगायी
तथा विभिन्न पेशों के मध्य

समन्वय भी कायम रखा-

इसने आगे अछूत, गांधी आदि को प्रेरित किया.

करुणा: गौतम बुद्ध के समान ही अशोक के भीतर करुणा का मूल्य विद्यमान था. यह उनके राज्य के कल्याणकारी चरित्र में प्रतिबिम्बित होगा है.

सत्यनिष्ठा-

अशोक ने न केवल वैचारिक स्तर पर अहिंसा, आदि को प्रोत्साहित किया बल्कि कार्य क्षेत्र में भी लागू किया.

समावोगिता-

जनजातियों के मध्य हृषि प्रोत्साहन आदि के द्वारा समाज को संध लेकर चलना.

वर्तमान समय में जब सदगुणों का संकट है तब प्रशासक व नेतृत्व वर्ग अशोक से नैतिक जीवन शैली से प्रेरित हो सकता है.

2.(a) करुणा और सहिष्णुता अनिवार्यताएं हैं, विलासिता नहीं क्योंकि इनके बिना मानवता जीवित नहीं रह सकती। करुणा और सहिष्णुता के मूल्य किसी लोक सेवक के दैनिक काम-काज में कैसे सहायता करते हैं? उपयुक्त उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।

Compassion and tolerance are necessities and not luxuries, as without them, humanity cannot survive. How do the values of compassion and tolerance assist in the day-to-day functioning of a civil servant? Explain using suitable examples. (Answer in 150 words)

10

दलाई लामा का यह कथन संपूर्ण नीतिशास्त्र का निचोड़ है। वर्तमान में निम्न प्रकार से करुणा व सहिष्णुता लोक जीवन के दैनिक कार्यों में सहायता

① कर्तव्यनिष्पादन : भारत कल्याणकारी राज्य है (अनु-30), ऐसे में करुणा व भावना लोक सेवकों को अपने कार्यनिष्पादन हेतु अधिक दक्ष करती है यथा - 1987 शाहीदा प्रवीन द्वारा कोविड इयूरी के कारण अपनी शादी को स्थगित करना।

② सेवा भावना व संतुष्टि : करुणा से प्रेरित लोक सेवक एक उच्च स्तर की संतुष्टि प्राप्त करता है यथा - 1987 राजयादव द्वारा सिक्किम में पिछड़े गाँवों को गोद लेना।

111) समावेगिता :
सहिष्णुता, प्रशासन में जन
भागीदारी सुनिश्चित करती है। निम्न
लोक सेवाओं के संसाधनों में वृद्धि होती
है।

112) साथ ही सहिष्णुता से विरोधी
विचारों को भी सुनने की क्षमता आती
है जो आलोचना के समय लोक
सेवकों की मन:स्थिति को गिरने नहीं
देती यथा : नुह बिंसा के समय
प्रशासन द्वारा नियंत्रण।

113) उच्च स्तरीय कार्यसंस्कृति :
यह देखने को मिलता है कि
सहिष्णुता से कार्यालयी सहयोग में
वृद्धि होती है व टीम स्पिरिट
आती है यथा : बिलवाडा द्वारा
कोविड प्रबंधन

" हालांकि इनका उचित तारिकीकरण
रखा जाना चाहिए ताकि करप्शन की
थकान पैदा न हो "

2.(b) जवाबदेही के लिए पारदर्शिता एक अनिवार्य शर्त है, लेकिन यह स्वतः जवाबदेही की गारंटी नहीं देती है। चर्चा कीजिए। किन परिस्थितियों में पारदर्शिता जवाबदेही की ओर ले जाती है?

Transparency is a necessary condition for accountability, but it does not automatically guarantee accountability. Discuss. Under what conditions does transparency lead to accountability? (Answer in 150 words) 10

जवाबदेही से आगय संविधान.
लोकतंत्र तथा जनता के प्रति जिम्मेदारी
लेने से है।

वहीं पारदर्शिता से आगय निर्णय.
निर्णय प्रक्रिया व वस्तुगत आधारों को
सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध कराने से
है यथा राष्ट्र-अधिनियम.

जहाँ पारदर्शिता के बिना
जवाबदेही नहीं आती क्योंकि नियंत्रण
हेतु सूचनाओं का अभाव तथा ऑडिट
प्रक्रिया नहीं हो पाती। वहीं मात्र
पारदर्शिता जवाबदेही नहीं सुनिश्चित कर
सकती जैसे कि-

यह ज्ञात तथ्य है कि सरकारी नौकरियों
में रिक्तियाँ हैं किंतु रिक्तियाँ
नहीं भरी जा रही हैं.

जब तक जनता स्वतंत्र नियामकों के
पास निर्णायक वास्तविकता नहीं होगी
जवाबदेहीता मुश्किल होती है यथा
भारत में चुनावी प्रक्रिया में जवाबदेहीता
का अभाव

पारदर्शिता द्वारा जवाबदेहीता लाना

सूचनाएँ यदि स्वतंत्र नियामक आयोगों
तक पहुँचती हैं यथा (नि) द्वारा ही
गयी मनरेगा की समीक्षा

पारदर्शिता कि साथ साथ प्रत्यक्ष
लोकतंत्र का अपवर्ध यथा प्रत्यावर्तन
संसदीय उत्तरदायित्व में वृद्धि
प्रत्यक्ष सेशन कि बाद जायवाही
का अपवर्ध

सिट्टीजन चार्टर आदि का सशक्त
स्थापन

स्वतंत्र न्यायपालिका का होना
मजबूत राजनीतिक संस्कृति

पारदर्शिता की संस्कृति से जवाबदेहीता
ही और बढ़ने में भारत में जागरण
सिविल सोसायटी कि सहा सहा स्वतंत्र नियामकों

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?
What does each of the following quotations mean to you?

(a) "एक महान व्यक्ति एक प्रतिष्ठित व्यक्ति से इस मायने में भिन्न होता है कि वह समाज का सेवक बनने के लिए तैयार रहता है।" डॉ. भीमराव अंबेडकर

"A great man is different from an eminent one in that he is ready to be the servant of the society." B.R. Ambedkar (Answer in 150 words) 10

महानता वह अवस्था है
जिसमें व्यक्ति सामाजिक हित हेतु
अपना सर्वस्व उत्सर्ग कर देता है
यथा- लंडन: गांधी । वही प्रतिष्ठित
व्यक्ति अपनी योग्यताओं से आधार
पर प्रतिष्ठा पाता है यथा-
दक्ष चिकित्सक या औद्योगिक व्यक्ति.

हालांकि यह समाज हित है जो
हमें प्रतिष्ठा से अगले चरण यानी
महानता में पहुँचाता है यथा
पी सी महामनोहरस हाथ बोलोदेगा
मुन्त दुह में शरणार्थियों से सेवा
करना.

साधा ही महानता का
आदर्श रूप उच्च आदर्श है यह

आदर्श रखने तथा महान व्यक्तियों
की शिक्षाओं का अनुसरण करने से ही
हम नीतिज्ञता की ओर बढ़ते हैं यथा
श्यामी विवेकानंद द्वारा रामहृष्ण परमहंस
का अनुसरण.

हालांकि यह आवश्यक नहीं
हो कि प्रतिष्ठित होने के साथ साथ
हम नीतिज्ञ भी हों किंतु महानता
की स्थिति में हम सर्वोत्तम नीतिज्ञ
अवस्था में होते हैं- यथा जे. आर. जी.
ताटा जो प्रतिष्ठा तथा महानता दोनों
मानकों में सर्वोत्तम हैं.

महानता रख आदर्श है किसी
प्राप्त हेतु आवश्यक है कि हम
पहले समाज की आदर्शों को आँखों से
सत्यनिष्ठा आदि को अपनाएँ
तथा तदनुरूप आचरण करें.

3.(b) "हमारे धर्म अलग-अलग हो सकते हैं, भाषाएं अलग-अलग हो सकती हैं, त्वचा का रंग अलग-अलग हो सकता है, लेकिन हम सभी एक ही मानव जाति से संबंधित हैं।" कोफी अन्नान

"We may have different religions, different languages, different colored skin, but we all belong to one human race." Kofi Annan (Answer in 150 words)

10

सात महाद्वीपों में विस्तृत होने
के बावजूद मानवता तथा मानवता में
निहित नैतिक मूल्य हमें एक इसी
से जोड़ते हैं यथा - प्रत्येक
समाज में पाये जाने वाला करुणा
का मूल्य।

कोफी अन्नान के अनुसार ही.
भौगोलिक परिस्थितियों के कवचत्व मले
ही हम बिम्ब नजर आते हैं।
हम एक ही मानवजाति के भाग हैं।
यह हमें भारत की आपदा इत्नीति.
ऑपरेशन दस्त (तुर्किये भूकंप) में देखने
को मिलता है जहाँ धार्मिक भाषावी
विभिन्नताओं के बावजूद भारत ने
प्रथम लाइन डा सहयोग दिया।

उपर्युक्त मान्यता प्रगटन की
नैतिकता व प्रभाविता हेतु आवश्यक
है जहाँ इस प्रगटन को अपने
से निम्न धार्मिक भाषाची अनुयायियों
के कल्याण के लिये कार्य करना
पड़ता है यथा: भारत में अखिल
भारतीय स्तर पर।

हालांकि वर्तमान में यह साक्षा
मूल्य कुछ उमड़ उभा है अतः
आवश्यक है हम नैतिकता के
उच्च आदर्शों तथा करुणा व
त्याग की भावना का विकास करें
तथा नेल्सन मंडेला, मदर टेरेसा, बुद्ध
आदि की सेवाभावना से प्रेरित हों।

“वर्तमान में संयुक्त ६०-२० संकट
पृथ्वी: इस आविष्कार इसी विचार का
वाहक था।”

3.(c) "शिक्षा का उद्देश्य तथ्यों का नहीं, बल्कि मूल्यों का ज्ञान है।" विलियम राल्फ इंगे

"The aim of education is the knowledge, not of facts, but of values."
William Ralph Inge (Answer in 150 words)

10

शिक्षा व्यक्ति को न सिर्फ
व्यावसायिक दक्षता देती है बल्कि
जीने का तरीका भी सिखाती है।
साथ ही तथा प्रभावी शिक्षा
वही है जो जीवन तथा मूल्यों के
समावेग में सहायक हो सके।
भारत की पारंपरिक शिक्षा प्रणाली
में समाज हित में त्याग का
मूल्य (सकलत्वा कर्ष)।

वर्तमान में जहाँ उपभोक्तावादी
संस्कृति के प्रभावाधीन शिक्षा मान
रोजगार से संलग्न हो गयी है
वहाँ हमें शिक्षा की गांधीवादी
योजना की आवश्यकता है जो
आत्मदीपो भव तथा आत्मनिर्भरता
पर बल देती है।

विश्व संस्थानों तथा अद्यापक
वर्षों के समाप्तिकरण के प्रभावी
माध्यम होते हैं तब यह और
आवश्यक हो जाता है कि शिक्षा
सार्वभौमिक मूल्य (समानता, सत्यनिष्ठा)
तथा रक्षानसापेक्ष मूल्य (भारत में
पारिवारिकता का मूल्य) से युक्त हो।

मूल्य आधारित शिक्षा व्यक्ति को
तार्किक बनने के साथ-साथ सामाजिक
परिवर्तनों का वाहक भी बनाती है
यथा: अछुत कलाम, टैगोर आदि।

भारत की नयी शिक्षा नीति-
2020 इसी मूल्य आधारित शिक्षा
की योजना प्रस्तुत करती है।

4.(a) नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस की अवधारणा समता के संतुलन के सिद्धांत पर काम करती है, जिसके तहत एक तरफ कंपनी, ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं, वित्त-पोषकों, सरकार और शेयरधारकों तथा दूसरी तरफ बड़े पैमाने पर समुदाय के हितों में संतुलन बनाए रखा जाता है। नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस सुनिश्चित करने में कौन-से मूल्य मुख्य भूमिका निभाते हैं?

The concept of ethical corporate governance works on the principle of balance of equity, which seeks to balance the interests of the company, customers, suppliers, financiers, government and shareholders on the one hand and the community at large on the other hand. Which values play a central role in ensuring ethical corporate governance? (Answer in 150 words)

10

नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस से
तात्पर्य समाजहित तथा पर्यावरणीय
मानकों कि अनुरूप होने वाली शासन
पद्धति से है यथा: ESG
पर्यावरण का
संरक्षण: शेयरधारकों कि
साथसाथ हितधारक
(स्टेकहोल्डर) कि प्रति
जवाबदेही.

नैतिक कॉर्पोरेट
गवर्नेंस

स्थानीय संसाधनों
का दोहन कि जगह
इष्टतम उपयोग.

सामाजिक हित डो
प्रोत्साहन
[CSR].

नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस को सुनिश्चित
करने में मुख्य मूल्य:

① पारदर्शिता: शासन पद्धति में

पारदर्शिता स्थायी आवादी है
सहभागिता सुनिश्चित करती है-
इस्तीफा की भावना : अर्थात् मालिङ न
समझकर उत्तरदायित्व
निभाना.

ईमानदारी तथा सत्यनिष्ठा
ग्रीनवाशिग रोकने में
सहायक तथा कारनी ढाँचे का पालन.

निरस्वता किसी भी स्थान तथा वर्ग
विशेष के पक्ष में कार्य न करना

प्रतिबद्धता समाज तथा राष्ट्रीय प्रति
हेतु प्रतिबद्ध होना

हाल ही में हुआ NS घाटेला
प्रभावी नेतिड ऑपॉरट प्रमाण है
मौल्य करता है किंतु मजबूत
विनियमन लागू किया जाना चाहिए.

- 4.(b) खराब कार्य परिवेश और अतिरिक्त श्रम ऐसी सामाजिक समस्याएं हैं, जिनके लिए सरकार, श्रमिक संघों, स्वास्थ्य अधिकारियों एवं कॉर्पोरेट जगत को उचित नीति निर्माण करने की आवश्यकता है। इस संबंध में उचित नीति निर्माण करते समय किन नैतिक मुद्दों पर विचार किया जाना चाहिए?

Toxic work environment and overwork are social problems, which require the government, labour unions, health officials and corporates to formulate appropriate policies. What are the ethical issues that should be considered while formulating appropriate policies in this regard? (Answer in 150 words)

10

भारत में कमजोर श्रम
कानून प्रवर्तन तथा असंगठित क्षेत्रों
में खराब कार्यस्थिति ईज ऑफ़ डूइंग
बिजनेस को कमजोर करने के साथ
साथ नैतिक मुद्दों को भी उठाती है।
उचित नीति निर्माण हेतु आवश्यक नैतिक
मुद्दों पर विचार

① श्रम का समावेगन

नीतियाँ ऐसी हों जो श्रम
के बहिष्कारण को रोकती हों। गांधी
जी के अनुसार मशीन तथा श्रम
में संतुलन हो।

② पर्यावरण संरक्षण

कार्य परिवेश साफ़ और स्वस्थ

नियमन हो यथा प्रदूषण मानकों
को अपनाना आदि

समावेशी कार्यसंस्थानि जो महिलाओं के
साथ साथ वंचित वर्गों को भी
शामिल करती हो और नैतिक
त्यागसहित पहलियों को बढ़ावा देगी
हो यथा टाटा कंसल्टेंसी

न्यूनतम विनियमन
यह सुनिश्चित होगा कि
बाजार बिना हस्तक्षेप के चल रहे
CSR को बढ़ावा देना
जुड़ी सामाजिक संसाधनों
का उपयोग अतः समाज हित
त्यय भी आवश्यक.

"इसके साथ साथ गांधी जी
के इस्तीफे को भी ध्यान में रखा
जाना चाहिए"

5.(a) नेतृत्वकर्ताओं के लिए, सफलता हेतु भावनात्मक बुद्धिमत्ता का होना महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे उन्हें दूसरों की भावनाओं को सहजता से समझने और उनकी भावनात्मक स्थिति का आकलन करते हुए, अपनी भावनाओं को समझने एवं नियंत्रित करने में भी मदद मिलती है। हालांकि, वर्तमान परस्पर जुड़ी हुई दुनिया में प्रभावी नेतृत्व के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता से परे जाने और सांस्कृतिक बुद्धिमत्ता को विकसित करने की आवश्यकता है। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।

For leaders, having emotional intelligence is vital for success as it helps them to read and regulate their own emotions while intuitively grasping how others feel and gauging their emotional state. But effective leadership in today's interconnected world necessitates going beyond emotional intelligence and cultivating cultural intelligence. Discuss with illustrations. (Answer in 150 words) 10

वर्तमान वैश्वीकृत दुग में
संचार तथा वेहता समन्वय हेतु
भावनात्मक बुद्धिमत्ता के साथ सांस्कृतिक
बुद्धिमत्ता की आवश्यक है -

सांस्कृतिक बुद्धिमत्ता

- इससे ही संस्कृति को सम्मान
- वेग-वृष्टि आदि का लोहापोर पर पहनना
- अपनी संस्कृति के अचक्षुषों से परिचित कराना
- पारस्परिक सम्मान
- भावना बनाये रखा

यथा भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा G-20 राष्ट्रों को हा देग

सांस्कृतिक वस्तुओं को बचाना.

सांस्कृतिक विविधता और प्रभावी नेतृत्व

1. यह देखा है सौष्ठव पार कोठजागर करता है यथा भारत में मंदिर संस्कृति

2. लोगों के मह्य व्यवहार को संभव बनाता है यथा 3 भारत - नेपाल

3. सांस्कृतिक साझेदारी के आधार पर समस्याओं का समाधान प्राप्त होता है यथा 3 सांस्कृतिक इमारतों का संरक्षण.

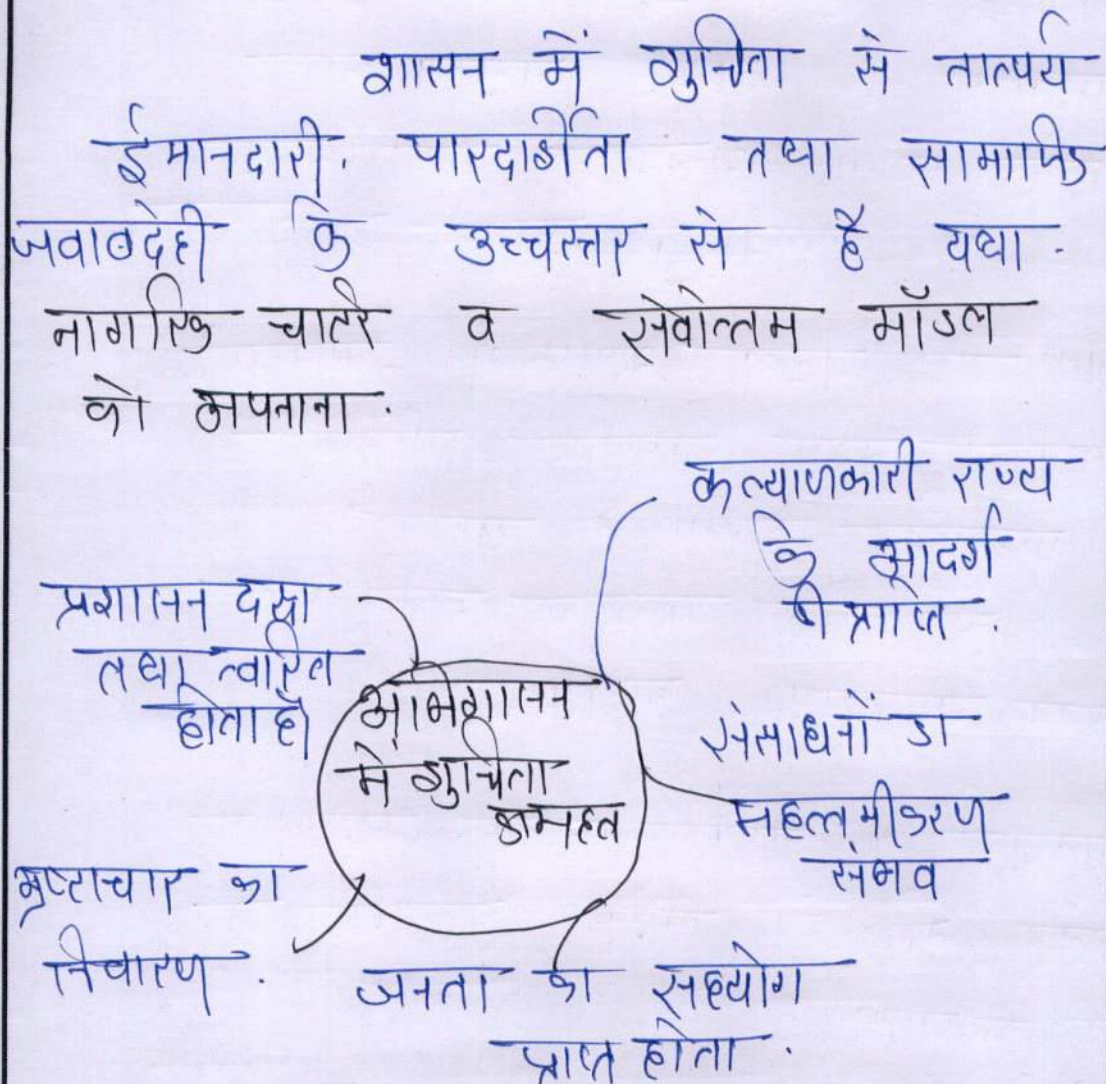
4. पर्यावरण तथा अन्य बातों में अपने हितों को आगे बढ़ाने में मदद करता है।

" अतः आवश्यकता है कि भारत अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाये "

5.(b) शुचिता (प्रोबिटी) सत्यापित सत्यनिष्ठा होती है, जिसके बारे में आमतौर पर माना जाता है कि इसे विकृत नहीं किया जा सकता। अभिशासन में शुचिता का क्या महत्व है? लोक सेवा में शुचिता और नैतिक शासन को बढ़ावा देने में नेतृत्व की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है? उपयुक्त उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।

Probity is confirmed integrity, which is usually regarded as being incorruptible. What is the significance of probity in governance? How important is the role of leadership in fostering probity and ethical governance in public service? Explain using suitable illustrations. (Answer in 150 words)

10



लोक सेवा में शुचिता तथा नैतिक शासन को बढ़ावा देने में नेतृत्व की भूमिका।

1. नेतृत्व यदि नैतिक है व शुचितापूर्ण है तो त्याग सभावना होई कार्य संस्कृति भी तदनु रूप होगी.
यथा भारत में सी.बी. आर.
2. कार्यसंस्कृति दोष + बॉटम हलिकोण अपनाती है अतः नेतृत्व का नैतिक होना आवश्यक यथा भारत में पं. बालबहादुर सास्त्री का कार्यकाल.
3. शुचितापूर्ण नेतृत्व प्रशासन में जिमानदारी सत्यनिष्ठा तथा नागरिक भागीदारी को प्रोत्साहित करता है यथा IAS दुर्गाशक्ति नागपाल द्वारा रेत खनन माफियापर कार्यवाई.
4. शुचितापूर्ण व नैतिक नेतृत्व संगठन को बेहतर तरीके से सारे छद्मों से छुड़ कर पाता है.
.. शुचिता व सत्यनिष्ठा प्रशासनिक नेतृत्व हेतु सर्वाधिक आवश्यक दो तत्व हैं."

- 6.(a) भारत में वैवाहिक बलात्कार की धारणा और इसके प्रति अनुक्रिया को आकार देने में नैतिक अभिवृत्ति की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। देश में वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित करने में विद्यमान नैतिक मुद्दों की व्याख्या कीजिए।

Analyse the role of moral attitude in shaping the perception and response to marital rape in India. Explain the ethical considerations in criminalising marital rape in the country. (Answer in 150 words) 10

वैवाहिक बलात्कार विवाह से
पवित्र सामाजिक संस्था से भीतर होने
वाला दुष्कर्म है। हालांकि वर्तमान में
IPC से धारा 375 के तहत यह अपराध
है और आपराधिक नहीं है -

अनुक्रिया को आकार देने में नैतिक अभिवृत्ति

- ① भारत में पितृसत्तात्मक सोच के
अनुसार पत्नी को यौन वरदाओं से
शुद्ध या माध्यम माना जाता है,
- ② विवाह एक पवित्र संस्था का दर्जा
प्राप्त है अतः उससे बाहर
निकलना सामाजिक मान्यताओं के
विपरीत जाना है।
- ③ यह अभी भी विवाह से भीतर
वैयक्तिकता को हतोत्साहित करती है।

वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित
करने में विद्यमान नैतिक मुद्दे

① विवाह है सामाजिक संस्था के इतने
का खतरा उपस्थित

② विवाह के भीतर पति - पत्नी के
निष्ठा का हनन

③ परिवार के मूल्य तथा भारतीय
नैतिकता में परिवार के सत्ता को
चुनौती

④ कानून द्वारा सिद्ध न कर पाना
भी नैतिक मुद्दा है यह दोषी
की सही पहचान में बाधा होगा

⑤ इससे राज्य का अनावश्यक नियंत्रण
बढ़ेगा जो हानिकारक है

... हालांकि बलात्कार, बलात्कार के
उत्पन्न हर रूप का अनुमूलन होना
चाहिए अतः व्यापक विचार विमर्श
को बढ़ावा दिया जा सके

6.(b) नैतिक निर्णय के लिए चेतना के अलावा विवेक का होना भी आवश्यक है। उपयुक्त उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।

Apart from consciousness, one needs to possess conscience in order to make ethical decisions. Explain with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

अंतर्त्मा, नैतिक निर्णयों का प्रमुख स्रोत है। यह वह ज्ञान है जो हमें ज्ञानेन्द्रियों से भले ही प्राप्त नहीं हुआ किंतु यह प्रमाँड व विवस्मनीय होता है -

चेतना अधिशंग अवसंघों पर नैतिक हंइों का समाधान नहीं कर पाती यथा -
लोक सेवक द्वारा जुग्गी ओपडी ठो हलना -

चेतना पर ही आधारित जर्जवर्षि आत्मसंतुष्टि भी प्रदान करने में असम है -

गांधी जी के अनुसार चेतनास्चय में नैतिकता ठो प्रेरित नहीं करती बल्कि उसे अंतर्त्मा का अवलंबन चाहेंग यथा -

अंतर्मा से प्रेरित होने पर गलत
कृत्य का न साथ देना और उसकी
रिपोर्टिंग करना यथा ई. सी. धर्मा (IAS)

आइसटीन ने भी कहा है -

" अंतर्मा के विरुद्ध कभी कोई
निर्णय मत कीजिए भले ही राज्य
आपसे ऐसी उम्मीद क्यों न करे "

" हालांकि हमें यह अवश्य
सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि हमारी
अंतर्मा बहुत ही तेज तथा स्पष्ट
मार्गदर्शन में रहना हो "

" लोकप्रशासन में विवेकाधिकारों
के तात्त्विक प्रयोग हेतु चेतना तथा
अंतर्मा का संयोजन अत्यंत आवश्यक
होता है "

खण्ड-B (Section-B)

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत मामले का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और फिर इसके बाद आने वाले प्रश्नों का उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्दों में):

7. भले ही LGBTQIA+ युगल एक साथ रहते हों लेकिन कानूनी तौर पर वे एक प्रतिकूल स्थिति में हैं। उन्हें वे सारे अधिकार प्राप्त नहीं हैं जो विवाहित जोड़ों को प्राप्त हैं। उदाहरण के लिए- LGBTQIA+ युगल, बच्चों को गोद नहीं ले सकते या सरोगेसी से बच्चा पैदा नहीं कर सकते हैं, उनके पास विरासत, भरण-पोषण और कर लाभ के स्वतः मिलने वाले अधिकार नहीं हैं तथा अपने साथी के निधन के बाद, उन्हें पेंशन या मुआवजे जैसे लाभ नहीं मिल सकते हैं। इससे भी बड़ी बात यह कि विवाह एक सामाजिक संस्था है जो कानून द्वारा निर्मित और विस्तृत रूप से विनियमित है, ऐसे में सामाजिक स्वीकृति के बिना, समलैंगिक युगल एक साथ जीवन जीने के लिए संघर्ष करते हैं।

समलैंगिक विवाहों को कानूनी मान्यता देने के लिए हाल के वर्षों में न्यायालयों में कई याचिकाएं दायर की गई हैं। लैंगिक अधिकार प्रचारकों के अनुसार, समलैंगिकता को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के बाद समलैंगिक विवाह को मान्यता देना अगला तार्किक कदम होना चाहिए।

हालांकि, दूसरा दृष्टिकोण यह है कि न्यायिक व्याख्या विवाह की अवधारणा को अस्त-व्यस्त या कमजोर न कर दे। यह तर्क दिया जाता है कि सरकार के लिए बीच का रास्ता यह हो सकता है कि वह समलैंगिक युगल की दलीलों पर गौर करने और कोई रास्ता सुझाने के लिए किसी पैनल का गठन करे।

एक जागरूक व्यक्ति के रूप में, जो इस मुद्दे के विभिन्न आयामों को समझता है, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

- इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
- क्या आपको लगता है कि भारत में समलैंगिक विवाह को राज्य द्वारा मान्यता दी जानी चाहिए?
- आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए कि क्या कानून सामाजिक परिवर्तन लाने में प्रभावी हो सकता है।

Even if the LGBTQIA+ couples live together, legally, they are on a slippery slope. They do not enjoy the rights that married couples do. For example, the LGBTQIA+ couples cannot adopt children or have a child by surrogacy, they do not have automatic rights to inheritance, maintenance and tax benefits, and after a partner passes away, they cannot avail benefits like pension or compensation. Most of all, since marriage is a social institution that is created by and highly regulated by law, without this social sanction, same-sex couples struggle to make a life together.

A number of petitions have been filed in recent years in courts for the legal recognition of same-sex marriages. Gender rights campaigners believe that recognizing same-sex marriages is the next logical step after the decriminalization of homosexuality.

However, the other point of view is that the concept of marriage ought not to be disturbed or diluted by judicial interpretation. It is argued that a middle path could be for the government to set up a panel to look into the pleas of same sex couples and recommend a way out.

As an aware individual, who understands various dimensions of this issue, answer the following:

- Discuss the ethical issues involved in the case.
- Do you think same-sex marriage should be recognised by the State in India?
- Critically examine whether law can be effective in bringing about social change.

20

LGBTQ वर्ग की सामाजिक स्थिति तथा अधिकार जहाँ एक ओर न्यायपालिका में विमर्ग का विषय है वहीं यह समाज में भी नैतिक मुद्दों की समीक्षा कर रहे हैं-

①. प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे

समान अधिकार

प्राकृतिक तथा मानवीय अधिकार सभी को जेंडर निरपेक्ष रूप से उपलब्ध होते हैं-

कानून की नैतिकता

भारत में कानून LGBTQ वर्ग के अपवर्जन को बढ़ावा देता है जो कि इसका नैतिक चारित्र्य नहीं है-

सामाजिक मान्यताएँ

विवाह सामाजिक संस्था है

अतः सामाजिक मान्यता अत्यावश्यक है
व्यक्ति तथा समाज के मध्य संतुलन

जहाँ सामाजिक मानक समय के
अनुसार स्थिर होते हैं वहीं वैयक्तिक
अभिवृत्तियों तथा समानता भी भाग में
वृद्धि होती है।

निजता का सम्मान

हालांकि उपर्युक्त अधिकार स्वयमेव
प्राप्त होने चाहिये किंतु उनसे
परिणति समाज में होगी।

⑥ समलैंगिक विवाहों को राज्य द्वारा मान्यता
मेरे अनुसार मान्यता देना नैतिक
है क्योंकि:

समलैंगिकता एक प्राकृतिक स्थिति है न
कि अपराध

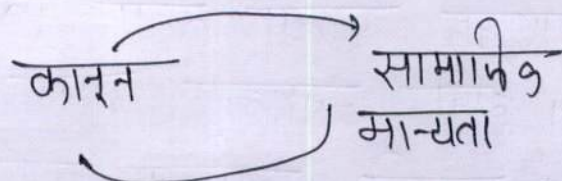
सामाजिक मूल्यों तथा विश्वास में निरंतर
जाँच होनी चाहिये ताकि वह अपनी
मूल इकाई व्यक्ति का ही न घोषणने
की देशों में विवाह से मान्यता प्राप्त
है यथा: इटली, जर्मनी आदि।

भारत में प्राचीन काल से सम्मेलन गिजे ने
साहित्य सामाजिक कृमिका निभायी है
यथा महानात में लिखी.

मान्यता देना नैतिक मूल्यों में प्रगति
का द्योतक होगा।

हालांकि यह मान्यता सिर्फ
कानून द्वारा समर्थित नहीं होनी चाहिए
बल्कि सामाजिक अंतर्द्वारा के माध्यम
से विश्वास का माहौल बनाया
जाना चाहिए। साथ ही वैश्विक
प्रथाओं को समझकर कानूनी परिवर्तन
दिये जाने चाहिए।

(c) सामाजिक परिवर्तन तथा कानून
अडवैकल्प का कार्य करते हैं जहाँ
दोनों एक दूसरे को प्रभावित करते
हैं यथा-



भारत में सती प्रथा रोक
नियम 1829 ने सती प्रथा को रोकने

में महत्वपूर्ण क्षमिका निभायी थी।
वैसे ही नागरिक अधिकार संरक्षण
अधिनियम 1955 ने अस्पृश्यता के
उन्मूलन में निर्णायक क्षमता का परिचय
दिया है।

हालांकि कुछ कानून ऐसे भी हैं
जो सामाजिक परिवर्तन में विफल साबित
हुए हैं यथा-

बाल विवाह (निषेध) अधिनियम-

: भारत में 1/3 बालविवाह किए
जाते हैं।

मैनुअल स्कैवेजिंग अधिनियम-

सार रूप में कहे तो कानून-

सामाजिक परिवर्तन ज सशक्त माध्यम हो
सकते हैं यदि उन्हें पर्याप्त विचार
विमर्श के साथ बनाया जाए और
पुरे सामाजिक सुधार भी किये जाएं।

8. लॉयड एक सच्चा और ईमानदार अधिकारी है। वह एक ऐसे राज्य में पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्यरत है, जो गैंग कल्चर और आपराधिक गतिविधियों के लिए कुख्यात है। उसके बेदाग ट्रैक रिकॉर्ड के आधार पर, उसे चार महीने पहले राज्य की राजधानी में स्थानांतरित कर दिया गया था। इससे उसकी पत्नी और बेटी भी खुश हैं क्योंकि उनकी पिछली सभी पोस्टिंग की तुलना में राजधानी अपेक्षाकृत सुरक्षित है।

हाल ही में, एक अपराधी जिस पर मुकदमा चल रहा था और उस पर कई गंभीर मामलों के आरोप थे, की अदालत ले जाते समय कुछ लोगों ने राजधानी में हत्या कर दी।

पुलिस हिरासत में अपराधियों की मौत के मामले में राज्य पुलिस का रिकॉर्ड खराब होने के कारण कई मानवाधिकार संगठन इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। उन्होंने इस मामले में अदालतों का दरवाजा खटखटाया है और बाद में इसकी जाँच-पड़ताल के लिए राज्य सरकार द्वारा एक विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया गया है।

चूंकि इस घटना के दौरान अपराधी को ले जाने वाले पुलिस अधिकारी उस पुलिस स्टेशन से हैं जो लॉयड के अधिकार क्षेत्र में आता है, इसलिए उसे सभी विवरणों के साथ SIT के सामने पेश होना होगा। जांच के दौरान लॉयड को ऐसे विवरण मिले, जो स्पष्ट रूप से एक प्रमुख राजनेता और अपराधी के बीच सांठगांठ को प्रदर्शित करते हैं। उसने एक रिपोर्ट तैयार की और इसे SIT के साथ साझा करने की योजना बना रहा है। उसके निष्कर्षों के आधार पर, संबंधित अपराधी और राजनेता की सांठगांठ उजागर होगी तथा राजनेता पर भी आरोप लग सकते हैं।

लॉयड के वरिष्ठ अधिकारियों ने उससे रिपोर्ट के निष्कर्षों के बारे में पूछा और रिपोर्ट से राजनेता को प्रभावित करने वाली जानकारी को हटाने की सलाह दी। लॉयड ने बताया कि रिपोर्ट में उल्लिखित राजनेता सार्वजनिक जीवन में एक बहुत ही प्रमुख व्यक्ति है और राज्य के सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ उसके संबंध भी अच्छे हैं। लॉयड के वरिष्ठ अधिकारियों ने उसे समझाते हुए कहा कि यदि वह उस राजनेता का नाम हटा देगा तो वह सत्ता में बैठे राजनेता का चहेता बन सकता है। इसके अलावा, उसे राजधानी में तैनात रहने में भी मदद मिलेगी, जिससे उनकी पत्नी और बेटी की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

- इस स्थिति से निपटने के लिए लॉयड के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?
- प्रत्येक विकल्प का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए और लॉयड द्वारा अपनाने योग्य सबसे उपयुक्त विकल्प की पहचान कीजिए।
- पुलिस हिरासत में होने वाली मौतों को रोकने के लिए आप क्या उपाय सुझाएंगे?

Lloyd is an honest and upright officer working as the Superintendent of Police in a state, which is notorious for gang culture and criminal activities. Based on his impeccable track record, he was transferred to the state capital four months ago. His wife and daughter are also happy as the capital city is comparatively safer compared to all his previous postings.

Recently, a criminal who was under trial and facing charges in a number of serious cases, was killed by some people in the capital city while he was being taken to the court.

Due to the poor record of the state police in terms of death of criminals in police custody, various human rights organizations are demanding a fair enquiry in the case. They have approached the courts in this matter and subsequently a Special Investigation Team (SIT) has been formed by the state government to look into this issue.

Since the police officers escorting the criminal during this incident are from the police station that comes under Lloyd's jurisdiction, he will be required to depose before the SIT with all the details. While investigating, he came across details, which clearly establish a nexus between a prominent politician and the criminal. He prepared a report and was planning to share it with the SIT. On the basis of his findings, the nexus of the concerned criminal with the politician would be exposed and the politician may also face charges.

Lloyd's senior asks him about the findings of the report and advises him to drop the information implicating the politician from the report. He informs that the politician mentioned in the report is a very prominent figure in public life, and shares good relations with all the major political parties in the state. His senior further informs that this will bring him in the good books of those in positions of power. Further, this will also help him remain posted in the capital city, which ensures the safety of his wife and daughter.

- What are the options available with Lloyd to deal with the situation?
- Critically evaluate each of the options and identify the most appropriate one for Lloyd to adopt.
- What measures would you suggest to prevent deaths in police custody

20

उपर्युक्त किस स्तरों में भारत में
प्रचलित अपराधी - राजनीतिज्ञ तथा
प्रशासनिक गठजोड़ व्यक्त किया गया
है। यह न केवल राज्य संस्थाओं का
अपत्य करता है बल्कि कल्याणकारी
राज्य की वृद्धता पर प्रभावशाली भी
करता है।

①. लॉयड के पास उपलब्ध विकल्प

- I. सहकारियों की बात मानकर राजनेता का नाम समीक्षा से हटा दे.
- II. राजनेता चूँकि दोषी हैं तथा निष्पक्ष कार्यवाही हेतु उसी प्रकार फाइल को भागे भेजे.
- III. निष्कर्ष देने से बचे किंतु ठोस साक्ष्य उपलब्ध कराए.

(b) विकल्प नं. 01

गुण

○ परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित.

○ रोजगार तथा अन्य लाभों की उम्मीद

दोष

○ लॉयड की सत्यानिष्ठा खतरे में

○ निष्पक्ष कार्यवाही को रोकना.

○ संगठित अपराध में शामिल होकर

○ अपराध को बढ़ावा देना.

विकल्प नं. 02

गुण

सत्यानिष्ठा सुरक्षित
निष्पक्ष कार्यवाही
पुलिस विभाग से
प्रतिष्ठा का बचाव

दोष

- ① परिवार पर असुरक्षा का खतरा
- ② नौकरी में प्रतिष्ठित स्थिति से संभावना
- ③ विभागीय कर्मचारियों का साथ न मिलना

विकल्प नं. 03

गुण

- ① निष्पक्ष कार्यवाही को सुनिश्चित करना
- ② अपना कर्तव्यपालन करना
- ③ डाा टीम से सहायता
- ④ पुलिस विभाग से प्रतिष्ठा में बचाव
- ⑤ सहकर्मियों का साथ

दोष

- ① राजनेता से खराब संबंध
- ② स्थानांतरण का खतरा

लॉयड द्वारा विकल्प नं० ३ को अपनाया
सर्वोत्तम होगा क्योंकि.

1. पुलिस अधीकार के रूप में उसकी
प्राथमिक जिम्मेदारी विपक्ष साक्षर उत्तरण
ही है.

II. यह विकल्प सीधे तौर पर लॉयड को
अपराधियों का निगाना बनाने से रोकता है

III. साथ ही यह ही टीम को राजगोता है
खिलाफ कार्यवाही के ठोस आधार देता है.

IV. स्थानांतरण तथा रिमोट लॉकिंग में
तेजाबी लॉयड ही नौकरी का भाग है फिर
भी वह वस्तुगत आधारों पर बुरे
स्थानांतरण से बच सकेगा.

6. पुलिस हिरासत में होने वाली मौतों
कानून की प्रक्रिया (अनु. 14 तथा 21) का
उल्लंघन है -

रोकने हेतु उपाय.

7. पुलिस आधुनिकरण योजना के तहत

नवीनतम प्रौद्योगिकी को अपनाना.
यथा: वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग
सीसीटीवी कैमरा.

७. पुँदताद्य हेतु स्पष्ट राज्यवार मानकों
तथा क्रियाविधि विकसित करना.

८. मानवाधिकार आयोग को मजबूत
करना.

९. पुलिस सुरक्षा बोर्ड से नियमित कार्य
प्रणाली सुनिश्चित करना ताकि पुलिस
पर राजनीतिक दबाव नम हो.

असाध्य ही न्याय को त्वरित करने हेतु
न्यायपालिका को सशक्त करना.

१०. चेल देने से प्रथा को अपनाना.

११. दोषी व्यक्तियों हेतु फास्टट्रैक कोर्टों की
स्थापना.

“इन सभी उपायों से साथ नागरिक
कल्चर में परिवर्तन लाना होगा जो
रूनकाउटर्स की वैधता पर प्रश्न कर
सके.”

9. राज, बेहद गरीब परिवार से है और आर्थिक तंगी के कारण उसे अपनी उच्चतर शिक्षा भी ठीक से नहीं हो पाई। हालांकि, वह मेहनती था और उसने अपने परिवार का समर्थन करने के लिए कॉलेज के दिनों में ही कमाई शुरू कर दी थी।

उसने अपना करियर, ग्राहक सहायता विभाग में बनाया तथा उसकी ईमानदारी और कड़ी मेहनत के कारण उसे पदोन्नत भी किया गया। हाल ही में, उसे एक बेहद नामी एड-टेक कंपनी से नौकरी का ऑफर मिला। उसने इस ऑफर को सहर्ष स्वीकार कर लिया, क्योंकि यह कंपनी उसके वेतन में अच्छी वृद्धि के साथ-साथ टीम लीड पद पर पदोन्नति ऑफर कर रही थी।

राज इस नई नौकरी से बहुत खुश था और उसे लगा कि उसकी कई वर्षों की मेहनत आखिरकार सफल हो गई है। उसकी नई नौकरी में वेतन में उल्लेखनीय वृद्धि से उसके लिए उसकी छोटी बहन को पढ़ाना आसान हो जाएगा। हालांकि, कंपनी में ज्वाइन करने के कुछ महीनों के भीतर ही राज को एहसास हुआ कि कंपनी की व्यावसायिक प्रथाओं में कुछ गड़बड़ी है। उसकी ग्राहक सहायता टीम को प्रायः गरीब छात्रों के माता-पिता के फोन आते रहते थे जिन्होंने शिकायत की थी कि कंपनी उन्हें विभिन्न महंगे पाठ्यक्रमों के लिए ऋण या वित्त-पोषण विकल्पों पर गुमराह कर रही है।

कुछ विवरणों को जानने के बाद उसे एहसास हुआ कि उसकी कंपनी की सेल्स टीम गरीब माता-पिता को अपने बच्चों हेतु पाठ्यक्रम खरीदने के लिए लुभाने में कदाचार का सहारा लेती थी। राजू ने इसकी जानकारी अपने विभाग के प्रमुख को दी लेकिन विभागाध्यक्ष को इसकी कोई चिंता नहीं थी। उसके कुछ सहकर्मियों ने उसे बताया कि सेल्स के लक्ष्य को हासिल करने के लिए एड-टेक उद्योग में यह एक आम प्रणाली है। इसके अलावा, उसे यह भी बताया गया कि हाल ही में स्टार्ट-अप्स में फंडिंग की कमी के कारण कंपनी पर मुनाफा दिखाने का अधिक दबाव है, अन्यथा बड़े पैमाने पर छंटनी होगी।

- (a) इस प्रकरण से जुड़े नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
(b) उपर्युक्त परिस्थितियों में, राज के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?
(c) इनमें से प्रत्येक विकल्प का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।
(d) राज को कौन-सी कार्रवाई अपनानी चाहिए? वैध कारणों के माध्यम से पुष्टि कीजिए।

Raj comes from a very poor family and due to financial constraints, he had to compromise on his higher education. But, he was hard-working and started earning during his college days to support his family.

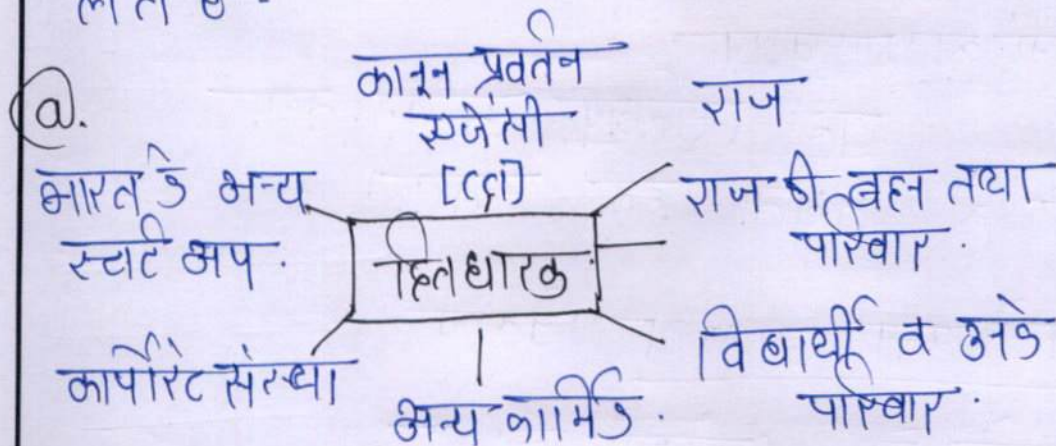
He made his career in the customer support department and due to his integrity and hard work, he was promoted. Recently, he got a job offer from a very prominent ed-tech company. He happily accepted the offer, as the company was offering a significant salary hike as well as promotion to a Team Lead position.

Raj was really happy with this new job and felt that his hard work of many years had finally paid off. The significant salary jump in his new job would also help him sponsor the education of his younger sister. But, within a few months of joining, Raj realized that something was wrong with the business practices of the company. His customer support team frequently received calls from parents of poor students who complained about the company misleading them on loans or financing options for the various expensive courses.

After going into some details, he realized that the sales team of his company was indulging in malpractices to lure poor parents to buy courses for their children. He informed this to the head of his department but the head did not seem concerned. Some of his colleagues informed him that this is a normal practice in the ed-tech industry to achieve sales targets. Further, he was also informed that due to the recent funding crunch in start-ups, the company is under severe pressure to show profits, else there will be mass layoffs.

- Identify the ethical issues associated with the case above.
- Under the given conditions, what are the options available to Raj?
- Critically evaluate each of these options.
- What course of action should Raj adopt? Justify with valid reasons. 20

उपर्युक्त मामला अनैतिक कॉर्पोरेट शासन प्रणाली को संबोधित करता है जो सोशल द्रवि तथा लाभ हेतु अनैतिक व गैर कानूनी प्रवृत्तियों का सहारा भी लेते हैं -



प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे -

① व्यावसायिक श्रुति.

स्टार्ट टेक कंपनी द्वारा पाठ्यक्रम

बच्चे में कदाचार का सहारा लेना

①१) गरीब माता-पिता तथा बच्चों की शिक्षा

यहाँ पर स्टेट्स प्रभावी तथा
ताक़ीत शिक्षा व देश
वर्द्धक रूप से
बढ़ावा दे रहे हैं

①२) राज की भाषीयता

तथा वृद्ध को पढ़ाने के लिए
की नैतिक जिम्मेदारी

①३) अन्य कार्यों का रोजगार बड़े पैमाने पर
देरनी से सहजगी रोजगारहीन होंगे

①४) कारुण्य का प्रियान्वयन

यह स्टाटिस्टिक कल्चर तथा
कारुण्य से वेधता है खतरा

①५) राज की पास उपलब्ध विकल्प

①- मामले को अनदेखा कर दे

विभागाध्यक्ष से ऊपर कार्यकारी निदेशक
को रिपोर्ट करे

टिहसल ब्लॉकिंग का रास्ता अपनाना

① विकल्प नं. 01.

गुण
राज की आर्थिक
स्थिति बेहतर
बहन की शिक्षा
तथा कंपनी में भाग
पदोन्नति.

दोष
राज की सत्यानिष्ठा
प्रभावित
गरीब माँबाप पीड़ित
होंगे
असतत व्यावसायिक
पड़ती

विकल्प नं. 2.

गुण
यह संभावना है कार्यकारी
निदेशक कार्यवाही कर
कंपनी की प्रतिष्ठा की
सुरक्षा.
रोजगार की सुरक्षा.

दोष
कार्यकारी निदेशक
न मानने पर
रोजगार जाने
का खतरा.
महंगी तुष्टानिरर्थक
शिक्षा.
असतत कॉर्पोरेट
प्रशासन.

विकल्प नं. 3

गुण
कानूनी नियामकों द्वारा
समीक्षा

दोष
पहचान अज्ञात

दोषियों पर
कार्यवाही
व्यापक दैवी सेवच
जाना
सतत शिक्षा प्रदान करना

होने पर अस्तरमा
का सामना
रोजगार जाने डा
स्तरा

- (d) राज द्वारा विकल्प ने 03 को अपना
वाहिर व्योक्ति.
- ① वह योग्य तथा कर्मठ है अतः रोजगार
इटी और पा सेंडगा.
 - ② असतत व्यावसायिक पहचान सडा देन
कंपनी को बंद कर देगी.
 - ③ कानूनों का बियान्वयन हो रकिगा.
 - ④ साधा ही कंपनी डे छुटेदस्य डे प्राप्ते
होगी ⑤ सतत व बहनीय शिक्षा
उपलब्ध हो सकिगी.
 - ⑥ कॉर्पोरेट प्रशासन में नेतिशता आरम्भी
राज डे सत्यनिष्ठा सुरक्षित.

इस प्रकार राज सभी
आयामों पर संतुलित नीति ले पाएगा।"

10. नगर निगम प्रमुख के रूप में, आपको एक चुनौतीपूर्ण स्थिति का सामना करना पड़ रहा है जिसमें संबंधित नागरिकों के दो समूहों ने आपसे संपर्क किया है। पहला समूह शहर में आवारा कुत्तों के खतरे के बारे में अपनी निराशा एवं चिंता व्यक्त कर रहा है और दूसरा समूह, इन बेजुबान जानवरों के प्रति करुणा व मानवीय व्यवहार को प्रोत्साहित करने की दिशा में कदम उठाने का आग्रह कर रहा है। पहली याचिका में आवारा कुत्तों द्वारा समाज के सुभेद्य वर्ग, विशेषरूप से बच्चों पर हमला करने या उन्हें जान से मारने की बढ़ती घटनाओं पर प्रकाश डाला गया है। उनका कहना है कि यह स्थिति कुत्तों की अपर्याप्त नसबंदी और टीकाकरण के कारण हुई है। वे सड़क के कुत्तों को तत्काल हटाने और उन्हें अन्यत्र भेजने की मांग कर रहे हैं।

हालांकि, दूसरी याचिका में यह कहा गया है कि इस समस्या का मूल कारण अप्रभावी पशु स्वास्थ्य देखभाल और नियंत्रण, अवैध प्रजनन केंद्र, पालतू जानवरों के मालिकों द्वारा उन्हें सड़कों पर छोड़ देना है। उनका तर्क है कि इस स्थिति के लिए ज़िम्मेदार लोगों को सजा मिलनी चाहिए, जानवरों को नहीं।

इसके अतिरिक्त, भारत में ऐसे कानून हैं जिसके तहत सड़कों से कुत्ते को हटाना गैर-कानूनी है। इसका मतलब यह है कि यदि कोई कुत्ता सड़क पर रहता है, तो गोद लिए जाने तक सड़क पर रहना उसका "अधिकार" है। जानवरों के जीवन के अधिकार को मानव सुरक्षा संबंधी चिंताओं के साथ संतुलित करना एक कठिन काम सिद्ध हो रहा है।

- (a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक दुविधाएं कौन-सी हैं?
(b) एक याचिका को दूसरे पर तरजीह देने के निहितार्थों का मूल्यांकन कीजिए।
(c) कौन-सी कार्रवाई से इस स्थिति का तात्कालिक और दीर्घावधि समाधान होगा?

As the Head of the Municipal Corporation, you are faced with a challenging situation wherein two groups of concerned citizens have approached you. One, expressing their frustrations and concerns regarding the menace caused by street dogs in the city and other, taking steps towards encouraging compassion and humane treatment to these silent beings.

The first plea highlights the rising incidents of stray dogs' attacking or killing the vulnerable members of society especially children. They point to inadequate sterilisation and vaccination of dogs as exacerbating the situation. They demand the immediate removal of street dogs and their relocation elsewhere.

The second plea however points to ineffective animal healthcare and control, illegal breeding centres, pet owners abandoning their pets on the streets as root of the problem. They argue that the system or the people responsible for the situation should be punished, not the animals.

Furthermore, India has laws in place that make it illegal to remove a dog from the streets. This means that once a dog is on the streets, it has a "right" to stay there unless adopted. Balancing the animals' right to life with human safety concerns is proving to be a difficult task.

- (a) What are the ethical dilemmas involved in the case?
(b) Evaluate the implications of favouring one plea over the other.
(c) What course of action would resolve the situation in the immediate as well as long term?

वर्तमान समय में हमने मानवाधिकारों से आगे आकर प्रत्येक जीव के अधिकार पर सोचना शरणा दिया है। उपर्युक्त कथन सही इसी हद को संबोधित करती है जहाँ मानव तथा पशुअधिकार एक इसी से टकराते हैं।

① प्रकरण में शामिल नैतिक दुविधाएँ:-

बच्चों तथा मानव अधिकार	बनाम	पशुओं (कुत्तों) के अधिकार
---------------------------	------	------------------------------

कुत्ते बाले हेतु पालने वाले उत्तरदायी	बनाम	कुत्ते स्वयं उत्तरदायी
---	------	---------------------------

राज्य संस्थाओं का दायित्व (देखभाल प्रजनन)	बनाम	बच्चों व अन्य सुभेद्य वर्गों की पीड़ा
---	------	---

कुत्तों को झोतासे हटा देना	बनाम	ताहि विनियमन करना
-------------------------------	------	-------------------------

मनुष्य. सहगामी या अन्य जीव मनुष्य
हेतुसाधन

(b) प्रथम याचिका को इसरी पर तरजीह
देने के कारण.

आवास कुत्ते मानवीय आवासों का
अतिक्रमण करते हैं.

बच्चों तथा वृद्ध आवादी द्वारा
परेशान न करने पर भी कानून.

लोक स्वास्थ्य सुनिश्चित करना
⇒ रेबीज की लारलाज
समस्या.

समस्या को निपटाना न कि प्रशासन व
पालने वाले लोगों की लापरवाही पर
जोर देना.

शहरी सौहार्द व मुक्त आवागमन
सुनिश्चित करना.

कुत्तों पर आक्रमण से रक्षा करना.
⇒ यहाँ सीमित मात्रा में
स्थानांतरण प्रभावी होगा.

द्वितीय याचिका को प्रथम याचिका पर
तारजीह

- ① मनुष्य से तरह कुत्तों को भी जीवन
खाद्य व आवास का अधिकार
- ② कुत्ते स्वयं ही सुरक्षा में असमर्थ
- ③ कुत्ते तथा अन्य पशु पारितोषिक का
प्रमुख हिस्सा
- ④ पालतू पशुओं को त्यागने में उनकी
जिम्मेदारी न होना
- ⑤ राज्य संस्थाओं से विनियमन की
जिम्मेदारी सुनिश्चित करना
- ⑥ तात्कालिक समाधान
- ⑦ अवारा पशुओं की बहुलता वाले क्षेत्रों
की पहचान करना
- ⑧ ऐसे क्षेत्रों में कुत्तों से आवादी
को प्रतिबंधित करना
- ⑨ सोशल मीडिया तथा अन्य उपायों
के माध्यम से जनजागरूकता लाना

दीर्घकालिक समाधान

- ① कानून से समीक्षा करना तथा पालतू पशुओं से निम्नोदारी बनाना.
- ② शहर में स्वच्छता के मानकों में तेजी लाना.
- ③ पशु स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करना.
यथा: रक्षुर्लिंग आदि.
रक्षणकरण.
- ④ पशुओं के क्षेत्रों का सीमांकन करना.
- ⑤ देगी नस्ल के कुत्तों को गोद देने हेतु प्रोत्साहित करना.

“इस प्रकार यह उचित मानव-पशु अधिग्रह संतुलन कायम किया जा सकेगा”

(Wow)

11. आप युवा ईमानदार व्यक्ति हैं और जिले के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में आपकी नई नियुक्ति हुई है। ब्यूरो में शामिल होने के बाद, आपके कार्यालय को एक गुमनाम व्यक्ति से सूचना मिली कि शहर के नगर निगम में काम करने वाले एक इंजीनियर ने अपनी आय के ज्ञात स्रोतों से कहीं अधिक संपत्ति अर्जित की है और वह भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल है। चूंकि कानून में यह स्पष्ट है कि गुमनाम शिकायतों पर कार्रवाई नहीं की जा सकती, इसलिए आप शिकायत को नजरअंदाज कर देते हैं। हालांकि, अगले कुछ हफ्तों में आपको संबंधित इंजीनियर के खिलाफ कुछ और गुमनाम शिकायतें मिलीं। आप उस इंजीनियर के खिलाफ पूछताछ शुरू करते हैं और यह पाते हैं कि वह वास्तव में एक बहुत ही भ्रष्ट अधिकारी है। कुछ समय बाद, आप उसके कार्यालय और घर पर छापेमारी की योजना बनाते हैं, किंतु आपको आज तक उसके खिलाफ निर्धारित प्रारूप में कोई आधिकारिक शिकायत नहीं मिली है।

छापेमारी के दौरान आपको जो चीजें बरामद हुईं वे आपके और आपके स्टाफ के लिए चौंकाने वाली हैं। आपको न केवल इंजीनियर की क्षमता से कहीं अधिक मात्रा में बेहिसाब धन-दौलत मिली बल्कि सोना, विदेश यात्रा के टिकट, पांच सितारा होटलों में आरक्षण तथा प्रभावशाली राजनेताओं तथा जिले में पहले नियुक्त और वर्तमान में नियुक्त नौकरशाहों के खिलाफ पुख्ता सबूत मिले।

हालांकि, छापेमारी के तुरंत बाद, आपको अपने वरिष्ठ अधिकारियों से आपके दीर्घकालिक करियर और प्रियजनों की सुरक्षा के हित में जांच छोड़ने के लिए धमकी भरे संदेश प्राप्त होने लगते हैं। आपके वरिष्ठ अधिकारी आप पर आरोप लगाते हैं कि आपने छापेमारी के लिए निर्धारित नियमों का पालन नहीं किया था और यदि यह मामला अदालत तक पहुंच गया, तो प्रक्रियात्मक खामियों के कारण यह ज्यादा दिन तक नहीं चलेगा।

चूंकि, आप एक ईमानदार अधिकारी हैं इसलिए आप इन चेतावनियों को अनदेखा करते हैं और अपनी जांच जारी रखते हैं। हालांकि, जल्द ही आपको नियमों का उल्लंघन करने के आधार पर प्रशासनिक अवकाश पर भेज दिया जाता है। आपको यह भी पता चलता है कि आपके कुछ जूनियर्स ने आपके खिलाफ भ्रष्टाचार में शामिल होने की शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने यह भी शिकायत की है कि आपने उन्हें जांच को रोकने के लिए न केवल संबंधित इंजीनियर बल्कि उन राजनेताओं और नौकरशाहों से भी पैसे वसूलने का निर्देश दिया, जिनके खिलाफ आपने सबूत इकट्ठे किए थे।

उपर्युक्त परिदृश्य के आधार पर निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

- इस प्रकरण में शामिल विभिन्न हितधारकों एवं मुद्दों की पहचान कीजिए।
- प्रदत्त स्थिति में आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?
- इनमें से प्रत्येक विकल्प के गुण और दोषों का विश्लेषण कीजिए।
- औचित्य सिद्ध करते हुए अपनी कार्रवाई पर चर्चा कीजिए।

You are young upright person who has been newly appointed in the Anti-Corruption Bureau of your district. After joining, your office receives a tip-off from an anonymous person that an engineer working with the Municipal Corporation of the city has amassed wealth much beyond his known sources of income and is hand in gloves in corrupt activities. Because the law is clear that anonymous complaints cannot be acted upon, you ignore the complaint. But in the next few weeks, you receive a few more anonymous complaints against the concerned engineer. You begin to make enquiries against the engineer and find that he is indeed a very corrupt officer. Some

time later, you make up your mind to conduct raids on his office and house, even though you have not received any official complaint in the prescribed format against him till date.

What you unearth during the raids is shocking for you and your staff. You find not only vast amounts of unaccounted currency, much beyond the means of the engineer, but also gold, travel tickets to visits made abroad, reservations in five-star hotels, and a whole bunch of clinching evidence against influential politicians and bureaucrats - appointed in the past as well as present ones - in the district.

However, soon after conducting the raid, you start receiving subtle messages from your superiors to drop the investigation in the interest of your own long-term career and the safety and security of your loved ones. They also point out that you had not followed the rules stipulated for conducting the raid, and if the matter were to reach the courts, it would be disposed off in no time due to procedural lapses on your part.


Since, you are an upright officer, you ignore these warnings and continue with your investigation. However, soon you are put on administrative leave on the ground of flouting the rules. You also come to know that a few of your juniors have filed a complaint against you for being involved in corruption. They have also complained that you instructed them to extort money from not only the concerned engineer but also the politicians and bureaucrats against whom you unearthed evidence, to put a halt to the investigation.

Based on the above scenario, answer the following:

- (a) Identify the various stakeholders and the issues involved in the case.
- (b) What options do you have in the given situation?
- (c) Analyse the merits and demerits of each of these options.
- (d) Discuss your course of action, with proper justification.

20

उपयुक्त प्रकरण में भ्रष्टाचार
संश्लेषित तंत्र स्थित प्रकार ईमानदार
सेवक को कर्तव्यनिष्ठता से रोकता है
का मुद्दा उठाया गया है-

- ①. 
 - मेरे युवा, ईमानदार व्यक्ति.
 - विभाग (भ्रष्टाचार निरोधक
द्वारा)
 - मेरे वरिष्ठ व कनिष्ठ
 - इंजीनियर व उसका परिवार
 - मेरा परिवार
 - गुमनाम व्यक्ति
 - राजनेता व नौकरशाह
 - समाज तथा राज्य

संबंधित मुद्दे:

भ्रष्टाचार में संगठित संश्लेषितता-
समाज तथा राज्य संसाधनों का
अपव्यय
मेरी सत्यनिष्ठा तथा ईमानदारी
पर प्रश्नार्थक

मेरे परिवार की सुरक्षा.
गुमनाम व्यक्तियों की सुरक्षा.
राज्य कानूनों का प्रियान्वयन.
विभाग की धारि का मुद्दा.

(b) उपलब्ध विकल्प

(i) कार्यवाही बन्द कर देना.

(ii) कार्यवाही को चलने देना.

(iii) कार्यवाही करते हुये वस्तुगत मानकों
का अनुसरण करना. अंतर्विभागीय
सहायता लेना. तथा जीर्ण नेतृत्व
को अवगत कराना.

(c) विकल्प नं. 01

गुण

मेरे खिलाफ कार्यवाही
बंद होना

परिवार की सुरक्षा

नौकरी तथा आर्थिक
लाभ मिलना.

दोष

भ्रष्टाचार को
स्वीकृति.

अपने कर्तव्य का
पालन न करना.

समाज की सुरक्षा
को खतरे में डालना.

विकल्प नं. 02.

गुण

अबाधित सत्यनिष्ठा
कर्तव्यनिष्ठा
दोषों को रखा

दोष

शायद मुझे अवधि
से हटा दिया
जाए
रजगार तथा परिहार
ही असुरक्षा
गुप्तता व्यक्तियों
असुरक्षा

विकल्प नं. 03/ तथा यही विकल्प मेरे
हारा लिया जाएगा क्योंकि

① यह मुझे मेरे कर्तव्यनिष्ठा में रक्षन
करता है

② सादा ही मैं वस्तुगत श्रद्धा निधियों
को अपना रहा हूँ निम्न मेरी
कार्यवाही बढ़ाए होगी

③ अंतर्विभागीय सहायता से दोषों
के सिद्ध प्रभावित मत
तैयार होगा

० इससे भ्रष्टाचार का निवारण होगा
तथा सामाजिक अवसरचक्राओं की
रक्षा सुनिश्चित हो जा सकेगी.
मेरी तथा परिवार की रक्षा भी
सुनिश्चित.

.. मुझे विश्वास है कि उपर्युक्त
कार्यवाई के द्वारा सर्वोत्तम संभव
तरीके से समस्या का निदान किया
जा सकेगा."

12. आपको एक राज्य में मुख्य सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। हाल ही में, आपके राज्य के दो लोक सेवकों से जुड़ा एक जटिल मुद्दा सामने आया है। दोनों अधिकारी जो अपनी-अपनी भूमिकाओं में उत्कृष्टता के लिए जाने जाते हैं, सोशल मीडिया पर एक गंभीर सार्वजनिक झगड़े में उलझ गए हैं।

अधिकारी A के द्वारा सोशल मीडिया पर कई इमेज और बयानों को पोस्ट करने के बाद यह विवाद शुरू हुआ, जिसका अंतर्निहित अर्थ यह था कि अधिकारी B, पोस्टिंग और पदोन्नति में अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए व्यक्तिगत संबंधों एवं नेटवर्किंग का इस्तेमाल कर रही है। हालांकि, यह कार्रवाई अप्रमाणित है लेकिन इसने अफवाहों का तूफान खड़ा कर दिया है, जिससे अधिकारी B की प्रतिष्ठा को काफी क्षति पहुंची।

अनुक्रिया स्वरूप अधिकारी B ने सोशल मीडिया पर ही अपना बचाव किया तथा अधिकारी A पर अनैतिक प्रथाओं को अपनाने और गोपनीयता के उल्लंघन का आरोप लगाया। वह अपने आंतरिक विभागीय मुद्दों का खुलासा करके एक कदम आगे बढ़ गई, जिसमें अधिकारी A कथित तौर पर शामिल था। इन आरोपों ने न केवल संघर्ष को बढ़ाया बल्कि जनता के सामने संवेदनशील जानकारी भी उजागर कर दी।

अधिकारी A के सोशल मीडिया पोस्ट को एक स्थानीय समाचार आउटलेट ने प्रमुखता से उठाया एवं उसे प्रचारित किया, जिससे स्थिति और भी बिगड़ गई। यह मुद्दा अब राज्य प्रशासन के दायरे से बाहर चला गया है, जिससे सार्वजनिक अटकलें और मीडिया जांच तेज हो गई है।

ये सभी घटनाएं सार्वजनिक मंच पर सामने आईं, इससे लोक सेवाओं की छवि खराब हुई है और राज्य प्रशासन के काम-काज में व्यवधान पैदा हुआ। केंद्र सरकार स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है और इसमें शामिल अधिकारियों के खिलाफ उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए दबाव डाला गया है।

- (a) इस प्रकरण में कौन-से नैतिक मुद्दे शामिल हैं?
(b) मुख्य सचिव के रूप में आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?
(c) आप कौन-सा विकल्प चुनेंगे और क्यों?

You have been appointed as the Chief Secretary in a state. Recently, a complex issue has surfaced involving two civil servants from your state. Both the officers who are known for their excellence in their respective roles have found themselves embroiled in an intense public feud on social media.

Officer A initiated the dispute by posting a series of images and statements on social media, indirectly implying that Officer B has been utilizing personal relationships and networking for gaining undue advantages in job postings and promotions. This action, while unproven, has stirred up a storm of rumors, leading to severe reputational damage to Officer B.

In response, Officer B defended herself on the same platform, accusing Officer A of unethical practices and breach of confidentiality. She went a step further by revealing his internal departmental issues, which Officer A was supposedly involved in. These allegations have not only escalated the conflict but also exposed sensitive information to the public.

Officer A's social media posts have been prominently picked up and publicised by a local news outlet further escalating the situation. The issue has now gone beyond the realms of the state administration, leading to intense public speculation and media scrutiny.

All these events have unfolded on a public platform and have tarnished the image of the civil services and created a disruption in the working of the state administration. The Central Government is closely monitoring the situation and has exerted pressure for appropriate disciplinary action against the officers involved.

- (a) What are ethical issues involved in this situation?
(b) What are the options available to you as the Chief Secretary?
(c) Which option would you choose and why?

20

लोक सेवाओं में अनामिता का
मूल्य आवश्यक होता है। यह सुनिश्चित
करता है कि जमा का विश्वास
प्रशासन पर बना रहे। उपर्युक्त
प्रकरण इसी मुद्दे से संबंधित है।

① प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे

① अनामिता कि मूल्य का खंडन।

② नीति संहिता व आचार संहिता का
उल्लंघन।

सार्वजनिक रूप से दोषारोपण
स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित है -

① प्रशासन की विश्वसनीयता पर
प्रश्नचिह्न खड़े हुये हैं

② साथ ही आवश्यक गोपनीय जानकारी
को लीक किया गया

③ अब तीव्र तथा ठोस कार्यवाही
जो तत्स्थ हो व प्रशासन की
विश्वसनीयता में वृद्धि करे

④ साराव कार्यसंस्कृति तथा विनियमन
बिजागर हुआ है

⑤ उपलब्ध विकल्प

① दोनों को तुरंत निलंबित करना
व आगे सेवा निष्कासन

② दोनों अधिकारियों को निलंबित करना
व स्वतंत्र जांच बैठाना

③ विभागप्रमुखों तथा शामिल अधिकारियों
को तुरंत विभागस्थानों तल्ल
करना

- ① मैं उपर्युक्त विकल्पों में से द्वितीय विकल्प का चयन करूँगा क्योंकि
- ② अधिकारियों का निर्लेखन जनता में संदेह बिजेगा कि कार्यवाही ठीकी है।
- ③ स्वतंत्र कमेटी छेड़ाफ़ आचरण की जाँच होगी तथा दोषियों के खिलाफ कार्यवाही सुनिश्चित होगी।
- ④ सोशल मीडिया में लीक हो गयी गोपनीय जानकारी को हटाना
- ⑤ साथ ही स्प - इससे के खिलाफ लगाये गये आरोपों की भी स्वतंत्र आयोग के द्वारा जाँच कराना।
- ⑥ दोषी पाये जाने पर यथासुचित कार्यवाही करना।
- ⑦ दीर्घकाल में सोशल मीडिया से हिंसा फैलाने करने हेतु अनुशासन करना।

७ साध ही कार्यसंस्कृति में बदलाव हेतु
मिड र्म प्रशिक्षण को बढ़ावा देना

“मुझे विश्वास है कि उपर्युक्त
कार्यवाही के द्वारा जनता का
प्रशासन में विश्वास भी रखा जा
हेगा और दोनों के खिलाफ
कार्यवाही भी होगी।”